हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 111 देहरादून, सोमवार, 17 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

प्रभारी सचिव स्वास्थ्य आर राजेश कुमार ने लापरवाही पर मांगा कारण बताओ नोटिस

3

# कानून व्यवस्था न सुधरी तो सीएम धामी कर सकते हैं बड़ा धमाका

सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** प्रदेश में कानून व्यवस्था के संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त निर्देश दिये हैं कि पिछले दिनों हुई घटनाओं का खुलासा जल्द से जल्द किया जाए। अपराधों पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार सख्त है। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार द्वारा उधमसिंहनगर के काशीपुर में खनन कारोबारी की हत्या, डोईवाला में हुई डकैती एवं जनपद हरिद्वार में पुलिसकर्मियों पर हुई फायरिंग के खुलासे हेतु 03 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है । उन्होंने कहा है कि 03 दिन में उक्त घटनाओं का खुलासा न होने पर संबंधित थाना प्रभारी एवं क्षेत्राधिकारी को हटाया जाएगा । इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि संबंधित जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को भी उपरोक्त घटनाओं के जल्द खुलासे न होने पर अपराध नियंत्रण में नाकाम माना जाएगा ।

# पीएम मोदी ने बैंकिंग इकाइयों को आज राष्ट्र को समर्पित, सीएम धामी ऑनलाइन हुए शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्तीय समावेशन को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों को आज राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग ने मानव जीवन को आसान बनाने का कार्य किया है। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत भी उपस्थित रहे।

# उत्तराखंड दौरे पर आ रहे महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अपने चार दिवसीय दौरे पर नैनीताल और अल्मोड़ा में रहेंगे. भगत सिंह कोश्यारी राज्यपाल बनने के बाद पहली बार नैनीताल आ रहे हैं. भगत सिंह कोश्यारी के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं.

प्रशासन ने भगत सिंह कोश्यारी के स्वागत के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं।महाराष्ट्र के राज्यपाल एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी 4 दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ रहे हैं.

कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल 18 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे. जहां वो अखिल भारतीय किसान मेले में हिस्सा लेंगे. 19 अक्टूबर को भगत सिंह कोश्यारी सर्किट हाउस हल्द्वानी आएंगे. जहां वे रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में करेंगे.20 अक्टूबर को भगत सिंह कोश्यारी नैनीताल राजभवन पहुंचेंगे. शाम 4 बजे से कुमाऊं विश्वविद्यालय में बैठक में प्रतिभाग करेंगे. जिसके बाद रात्रि विश्राम उनका राजभवन में ही होगा. 21 अक्टूबर को भगत सिंह कोश्यारी नैनीताल से अल्मोड़ा जाएंगे. 22 अक्टूबर को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनएस भंडारी के साथ बैठक करेंगे. उसी दिन शाम को भगत सिंह कोश्यारी देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे.

# केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री धामी के संग हुई हाई लेवल समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून, 16 अक्टूबर।** केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवास में शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, शासन के अधिकारी एवं सबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि उत्तराखण्ड में नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन एवं शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों को पढ़ने-लिखने, बोलने, व्याख्या करने एवं संख्यात्मकता ज्ञान बढ़ाने के लिए, डायट को भी इस ओर ध्यान देना होगा। शिक्षकों को इसके लिए बेहतर प्रशिक्षण देना होगा। बच्चों की प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा का पाठ्यक्रम को रोचक बनाया जाए। टेक्नोलॉजी के माध्यम से ईसीसीई के पाठ्यक्रम को कैसे और रोचक बनाया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उत्तराखण्ड के लिए जो पाठ्यक्रम बनाया जा रहा है, इसमें एससीईआरटी के साथ ही एनसीईआरटी की मदद भी ली जा सकती है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों को नई-नई स्किल सीखने को मिले, इसके लिए भविष्य की आवश्यकताओं को देखकर स्किल डेवलपमेंट के कोर्स कराए जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में स्किल डेवलपमेंट का हब बनने की क्षमता है। राज्य के पास प्रतिभाओं की कमी नहीं है, इन प्रतिभाओं को आगे लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में कौशल विकास से

संबंधित जो भी विभाग और संस्थान प्रशिक्षण करवा रहे हैं, उन्हें सिंगल विंडो सिस्टम पर लाए जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड को उत्कृष्ट राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। सभी विभागों को अगले 03 साल और आने वाले 10 सालों का रोडमैप बनाने के साथ ही बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में अपनी पर्फोमेन्स देने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए जो सुझाव दिये गये हैं, उनका सही तरीके से क्रियान्वयन किया जाए।

विद्यालयी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि एनईपी-2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्तमान शैक्षणिक सत्र से प्रवेश शुरू कर दिये गये हैं। इसके लिये नई नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं। विभागीय मंत्री ने बताया कि नई नीति के क्रियान्वयन के लिये राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया साथ ही स्क्रीनिंग कमेटी और कैरिकुलम डिजाइन समिति गठित की गई। जिनकी विभिन्न स्तर पर कई दौर की बैठकों और पब्लिक डोमेन से मिले सुझावों के उपरांत बाद पाठ्यक्रम तैयार किया गया। जिसे सभी विश्वविद्यालयों की बीओएस, एकेडमिक काउंसिल और एग्जेक्युटिव कमेटी द्वारा अप्रूव्ड किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में राज्य में की जा रही विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत प्रजेन्टेशन दिया। बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव शिक्षा रविनाथ रमन, सचिव कौशल विकास विजय कुमार यादव, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी एवं शासन एवं संबधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

# आध्यात्मिकता के साथ लीजिये कुदरत के बर्फीले नज़ारों का मज़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**ब्यूरो रिपोर्ट, 16 अक्टूबर।** देवभूमि का मौसम करवट बदल चुका है , बारिश के बाद अब बारी बर्फ़बारी की है लिहाज़ा पहाड़ सफ़ेद चादर ओढ़ने लगे हैं। चमोली के पहाड़ों में लगातार बर्फबारी जारी है. नीति घाटी में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण एक बार फिर से ठंड लौट आई है. चारों तरफ बर्फ की सफेद चादर दिखाई दे रही है. नीति गांव में भी बर्फबारी से चारों तरफ बर्फ की सफेद चादर दिख रही है.

इस बार अक्टूबर महीने में ही बर्फबारी शुरू हो गई है. पिछले वर्ष तक जहां अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में पहाड़ों में बर्फबारी होती थी, तो वहीं इस बार दूसरे सप्ताह में ही पहाड़ों में बर्फबारी शुरू हो गई है. जिससे ठंड भी बढ़ गई है.नीति घाटी में अभी भी लोग ग्रीष्मकालीन प्रवास पर हैं. दीपावली के दौरान नीति घाटी के दर्जनों गांव के ग्रामीण अपने शीतकालीन प्रवास के लिए पहुंचते हैं. बर्फबारी होने की वजह से नीति घाटी में ठंड बढ़ गई है. लोग अभी भी घाटी में मौजूद हैं. जिससे लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है. ठंड से बचने के लिए लोग अपने घरों में आग का सहारा ले रहे हैं. अलाव जलाकर लोग ठंड से बचने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं..... दीपावली करीब है और फेस्टिवल सीजन में सैलानी पहाड़ों का रुख करते हैं ऐसे में बद्रीनाथ धाम की चोटियों पर 2 दिन से बर्फबारी जारी रही है. नर-नारायण पर्वत और नीलकंठ पर्वत पर लगातार बर्फबारी हो रही है. यहां बर्फबारी को लेकर दोनों चोटियों में होड़ जैसी लगी हुई है. वहीं हेमकुंड साहिब में भी 7 से 8 इंच तक बर्फ की मोटी चादर जमी हुई है. यहां पवित्र गुरुद्वारा भी बर्फ से ढक चुका है. लक्ष्मण मंदिर के चारों तरफ भी बर्फ की सफेद चादर बिछी हुई है.... यानी यात्रियों को धार्मिक चार धाम यात्रा के आध्यत्मिक लाभ के साथ साथ कुदरत के नज़रों का भी खूब दीदार हो रहा है।

# 3 प्रमुख बिंदु जो भारत को दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य केंद्र बनाने में मदद करेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत का चिकित्सा पर्यटन उद्योग विश्व स्तर पर अपराजेय लागतों पर कुछ बेहतरीन उपचार प्रदान करता है। लाखों लोग न केवल जीवन बचाने के लिए बल्कि जीवन देने के लिए भी चिकित्सा और आयुर्वेदिक उपचार के लिए भारत आते हैं। भारत के आईवीएफ उद्योग, आयुर्वेदिक उपचारों के साथ, विश्व स्तर पर उच्चतम सफलता दर है, जो हर साल हजारों जोड़ों को बहुत जरूरी आशा प्रदान करता है। जबकि हमारे पास बहुत कुछ है, अभी भी ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां हम चिकित्सा पर्यटन उद्योग को $6 बिलियन से $13 बिलियन तक विकसित करने के लिए सुधार कर सकते हैं।

**आयुर्वेद**

यद्यपि आयुर्वेद में अपार अवसर के बारे में बहुत कुछ कहा और लिखा गया है, यह अभी भी भारत में चिकित्सा पर्यटन के लिए सबसे अप्रयुक्त अवसर है। वेलनेस टूरिज्म विश्व स्तर पर $400 बिलियन का उद्योग है और विश्व स्तर पर एक पुरानी, स्वास्थ्य समर्थक आबादी के साथ, आयुर्वेद सचमुच डॉक्टर द्वारा आदेश दिया गया है। भारत का आयुर्वेद विश्व स्तर पर 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक आसानी से पहुंच सकता है, जिससे चिकित्सा उपचार में $15 बिलियन का उत्पादन होता है।

आयुर्वेद में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक एनएबीएच प्रमाणीकरण है जिसे आयुष मंत्रालय के तहत शुरू किया गया है। NABH प्रमाणन और एक समर्पित आयुष मंत्रालय के साथ, मोदी सरकार ने आयुर्वेद को मानकीकृत और भरोसेमंद बनाया है।



**चिकित्सा पर्यटन में निवेश**

जबकि भारत में एक महान अस्पताल के बुनियादी ढांचे के निर्माण में अरबों का निवेश किया गया है, विश्व स्तर पर इसके विपणन में बहुत कम निवेश किया गया है। मेडिकल ट्रैवल कंपनियां जो देश में 90% रोगी प्रवाह उत्पन्न करती हैं, वे ज्यादातर बूटस्ट्रैप्ड और व्यक्तिगत नेतृत्व वाले उद्यम हैं, जिनके पास बहुत कम बाहरी फंडिंग है। यह इस क्षेत्र और इसके हितधारकों की वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार करने और भारत के स्वास्थ्य



सेवा क्षेत्र का विपणन करने की क्षमता को सीमित करता है।

**फ्लाइट कनेक्टिविटी**

चिकित्सा पर्यटन या किसी पर्यटन के विकास में एक महत्वपूर्ण कारक संभावित बाजारों के लिए सीधी उड़ानों की उपलब्धता है। जबकि भारत पश्चिमी देशों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, उसे अफ्रीका, सीआईएस और दक्षिण पूर्व देशों के देशों से बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया मलेशिया के लिए चिकित्सा पर्यटन में अरबों डॉलर का उत्पादन करता है, लेकिन भारत का अभी तक इस अत्यधिक संभावित बाजार से सीधा संपर्क नहीं है। इसी तरह, नाइजीरिया, मंगोलिया और अन्य देश इन क्षेत्रों से अधिक व्यवसाय उत्पन्न करने के लिए अच्छी तरह से जुड़े हो सकते हैं।

# वर्क फ्रॉम होम के बाद, क्या आपने वर्क फ्रॉम पब सुना है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वर्क फ्रॉम होम अब कुछ नया नहीं हो सकता है। यहां एक और विकल्प आता है - वर्क फ्रॉम पब (डब्ल्यूएफपी)। यूके पर कुछ सौदों की पेशकश की जा रही है।यूके में, फुलर ब्रूअरी की 350 से अधिक पबों की श्रृंखला अब WFP पैकेज प्रदान करती है जो प्रति दिन £10 (लगभग ₹933) से शुरू होते हैं और इसमें दोपहर का भोजन और एक पेय (गैर-मादक पेय भी उपलब्ध हैं) शामिल हैं। दोपहर का भोजन और असीमित चाय और कॉफी आमतौर पर £15 (₹1,400) प्रति दिन के सौदे में शामिल होते हैं, जो यंग्स द्वारा पेश किया जाता है, एक अन्य महत्वपूर्ण शराब की भठ्ठी, जिसमें 185 पब हैंस्वतंत्र पब भी तुलनीय छूट प्रदान कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, लंदन के एक उपनगर, वेयब्रिज में, द फ्लिंटगेट, £15 (₹1,400) का ₹वर्क एंड प्लेॠ पैकेज प्रदान करता है जिसमें एक ₹शांत स्टेशनॠ दोपहर का भोजन, असीमित चाय और



कॉफी, और यहां तक कि एक पिंट बियर या एक शामिल है। जिन और टॉनिक (जी एंड टी) 5 बजे।जैसे-जैसे आपूर्तिकर्ता दीर्घकालिक निश्चित-मूल्य ऊर्जा अनुबंध वापस लेते हैं, जिस पर यूके के कई पब भरोसा करते हैं, उद्योग एक चुनौतीपूर्ण गिरावट की तैयारी कर रहा है। सितंबर में अनावरण किए गए सरकार के ऊर्जा सहायता कार्यक्रम के तहत व्यवसायों को बिलों के लिए तुलनीय समर्थन प्रदान किया गया थाहॉस्पिटैलिटी कंपनियों पर बढ़ते ऊर्जा लागत, खाने-पीने की कीमतों, कर्मियों की लागत और ब्रिटेन के लोगों द्वारा अपनी जेबों को कसने के प्रभाव से आने वाले दबावों का कुछ हद तक इससे मुकाबला किया जाएगा।हाल के महीनों में कई पबों के संचालन की लागत पहले ही दोगुनी हो गई है, और सरकारी योजना देश के पबों को बहुत मामूली सहायता प्रदान करती है जो हीटिंग तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का उपयोग करते हैं।

# क्या स्प्राउट्स में नियमित दाल से ज्यादा प्रोटीन होता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क



दाल भारतीय भोजन का एक अभिन्न अंग है, और देश भर में लोगों के अपने विशेष व्यंजन और विभिन्न प्रकार की दाल, दालें और फलियां खाने के तरीके हैं। पकाने के अलावा, एक तरीका यह है कि बीन्स या चने को पानी में भिगो दें और उन्हें अंकुरित होने दें। जब अंकुरित फलियां खाने की बात आती है तो अंकुरित मूंग दाल एक लोकप्रिय विकल्प है। मूंग दाल उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन से भरपूर होती है। इसमें विटामिन ई, सी, और के भी होता है। हरे रंग का, अंकुरित होने पर मूंग की बनावट कुरकुरी होती है।2014 के एक अध्ययन में लोबिया (उत्तर भारत में लोबिया) को अंकुरित किया और पाया कि 24 घंटे के लिए 25 डिग्री सेल्सियस पर अंकुरित होने के बाद प्रोटीन की मात्रा में 9-12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इन-विट्रो प्रोटीन पाचनशक्ति में 8-20% की वृद्धि के साथ, प्रोटीन के साथ, विटामिन सी 4–38 गुना बढ़ गया। 2017 के अध्ययन में पाया गया कि अंकुरित दालों में प्रोटीन की मात्रा सबसे अधिक पाई गई। अध्ययन की गई दालों में, अन्य दालों (चने की दाल, लोबिया, मोठ और काले चने) की तुलना में, उच्च प्रोटीन सामग्री के कारण छोले ने अधिकतम पोषण लाभ दिया।अगर आपको भी स्प्राउट्स खाने के बाद फूला हुआ या पेट में दर्द होता है, तो उन्हें कच्चा खाने से बचें। अधिक समय तक भिगोने पर विचार करें और खाने से पहले उन्हें उबाल लें। आप इन्हें अलग-अलग रेसिपी जैसे खिचड़ी में भी प्रेशर कुकर में पका कर इस्तेमाल कर सकते हैं। आप इन्हें ब्लेंड भी कर सकते हैं और अपने डोसा बैटर या चीला में इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर मूंग दाल के स्प्राउट्स आपके काम नहीं आते हैं, तो आप अन्य फलियां जैसे कि चना, लोबिया और राजमा का विकल्प चुन सकते हैं।

# प्रभारी सचिव स्वास्थ्य आर राजेश कुमार ने लापरवाही पर मांगा कारण बताओ नोटिस

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** प्रभारी सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डा0 आर राजेश कुमार द्वारा प्रदेश के दो जनपदों देहरादून व हरिद्वारा को डेंगु व चिकनगुनिया की रोकथाम में लापरवाही बरतने पर चिकित्साधिकारीयों को जारी किया गया कारण बताओ नोटिस।

डेंगु व चिकनगुनिया की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रभारी सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा षिक्षा द्वारा पूर्व में की डेंगु व चिकनगुनिया रोकथाम हेतु राज्य के 13 जनपदों को दिशा निर्देश निर्गत किये गये थे। वर्तमान में देहरादून व हरिद्वार जनपदो के द्वारा उक्त दिशा निर्देशों के क्रम में सही तरीके से अनुपालन नही किया जा रहा है, जिससे मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

उक्त के दृश्टिगत प्रभारी सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा द्वारा हरिद्वार एवं देहरादून जनपदों के चिकित्साधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। साथ ही निर्देश दिये गये कि नोटिस जारी होने के 03 दिवस के भीतर जनपदों के चिकित्साधिकारी स्पटीषकरण प्रभारी सचिव के समक्ष प्रस्तुत करें। प्रभारी सचिव का कहना है कि इस प्रकार के संवेदनषील विशय के सम्बंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही मान्य नही होगी।

इसी के साथ 04 जनपद हरिद्वार, पौडी गढवाल, रूद्रप्रयाग व चम्पावत को डेंगु व चिकनगुनिया रोग के प्रसार के संबंध में आहूत वर्चुअल बैठक से अनुपस्थित रहने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

# त्योहार सीजन में देहरादून पुलिस उतरी सड़कों पर, बाजार में सुरक्षा व्यवस्था पर नज़र

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** चौकी बाजार थाना विकास नगर में आगामी त्योहारों के मद्देनजर व संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन हेतु थाना विकास नगर पुलिस द्वारा सड़क किनारे रेडी, ठेली व दुकानदारों द्वारा फुटपाथ में किए जा रहे अतिक्रमण को हटाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें उत्तराखंड पुलिस अधिनियम की धारा 81 के अंतर्गत 22 लोगों के विरुद्ध चालान किए गए। तथा बाजार में गलत तरीके से पार्क किए गए टू व्हीलर,फोर व्हीलर वाहनों के विरुद्ध एमबी एक्ट व चस्पा चालान की कार्रवाई की गई। तथा अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर सत्यापन की कार्रवाई की गई। अभियान लगातार जारी है।

# भारत-पाक युद्ध की जीवंत दास्तां 'कहानी 1971 युद्ध की' का हुआ विमोचन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध के 50 साल पूरे हो चुके हैं। इस युद्ध में उत्तराखंड के सैकड़ों रणबांकुरों ने भाग लिया था। इस युद्ध पर आधारित पुस्तक कहानी 1971 युद्ध की, धर्मनगर से सिलहट का लोकार्पण आज किया गया। पुस्तक का लोकार्पण राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश की जनता इसलिए चैन की सांस ले रही है क्योंकि सीमा पर हमारे रणबांकुरे मुस्तैद हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वीरभूमि है और यहां के रणबांकुरों ने देशभक्ति, कर्तव्यपरायणता, अदम्य साहस और वीरता की मिसाल कायम की है।

नवादा के कर्नल रॉक्स स्कूल में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि कर्नल राकेश कुकरेती (रि.) ने भी भारत-पाकिस्तान के बीच हुए 1971 युद्ध में भाग लिया और उनके संस्मरणों पर यह पुस्तक रोचक ढंग से लिखी गयी है। पुस्तक में देशभक्ति के साथ ही युद्ध की विभीषिका का भी वर्णन है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि विधायक किशोर उपाध्याय और पूर्व कर्नल अजय कोठियाल भी मौजूद थे।

कर्नल कोठियाल ने भी अपने फौजी जीवन से जुड़े कई किस्से सुनाए। विधायक किशोर उपाध्याय ने पुस्तक लेखिका के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश फौजियों का है और हमें गर्व है कि देवभूमि उत्तराखंड वीरभूमि भी है। देश पर जब भी संकट आता है हमारे रणबांकुरे सरहदों पर अपना सर्वोच्च बलिदान करने के लिए अग्रिम पंक्ति में होते हैं।साहित्यकार नीता कुकरेती ने पुस्तक का सार और उदेश्य बताया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध पर आधारित पुस्तक है उन्होंने पुस्तक पर आधार वक्तव्य भी दिया

लेखिका इरा कुकरेती ने बताया कि वह बचपन से ही फौज के प्रति आकर्षित थी और जब उनकी शादी एक फौजी अफसर से हुई तो उन्हें लगा कि फौज के विभिन्न किस्सों को कलमबद्ध करें। उनके अनुसार यह ख्वाहिश थी कि 1971 के युद्ध के संस्मरण को एक पुस्तक के तौर पर प्रस्तुत कर सकूं। बरसों की इच्छा अब पूर्ण हुई है। इसमें उन्होंने सच्ची घटनाओं को क्रमबद्ध किया है। इस मौके पर

पूर्व ब्रिगेडियर ओपी चौहान ने 6 राजपूत के बारे में बताया उन्होंने बताया कि 1971 के युद्ध में बटालियन ने पहले ही दिन दो अधिकारी जे सी ओ और 17 जवानों को खो दिया था उन्होंने कहा की पुस्तक में लेखिका ने सच्ची घटनाओं का उल्लेख किया है इस दौरान कर्नल रॉक्स स्कूल स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए इस मौके पर पूर्व आईजी एसएस कोठियाल सुमन उपाध्याय बलूनी क्लासेस के एमडी विपिन बलूनी समाजसेवी सुभाष भट्ट राज्य आंदोलनकारी परदीप कुकरेती सुंदर श्याम कुकरेती उमाशंकर कुकरेती एडवोकेट राजेश कुकरेती पूर्व कर्नल बवाना सुरेंद्र और विजेंद्र कुकरेती आदि प्रमुख लोग मौजूद थे

# ज्ञान दृष्टिकोण और अभ्यास की जानकारी में जुटे अधिकारी और आम मतदाता

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

रुद्रपुर , 16 अक्टूबर। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जनपद ऊधमसिंह नगर में अवस्थित नगरीय क्षेत्र के वार्ड नं0 11 के प्राथमिक विद्यालय संजय नगर प्रथम के विद्यालय परिसर में मतदाताओं / नागरिकों के निर्वाचन सम्बंधित ₹ज्ञान दृष्टिकोण और अभ्यास की जानकारी₹ और विचारों / फीडबैक को जानने हेतु FOCUSED GROUP DISCISSION कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अर्थ एवं संख्या निदेशालय देहरादून से निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि गोपाल गुप्ता व संदीप पांडेय निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पंजीकरण, evm से चुनाव, पोलिंग स्थल की स्थिति, निर्वाचन जागरूकता सहित विभिन्न बिंदुओं पर मतदाताओं के विचार जाने गए।

परिचर्चा में नफील जमील जिला अर्थ संख्याधिकारी विजय तिवारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी रोशन लाल, अपर सांख्यिकी अधिकारी श्री सुशील कुमार काट्रोग्राफर, कु० पूजा नयाल सहित मतदाताओं के रूप में विभिन्न विचारकों ने प्रतिभाग किया।

# मानव सेवा को समर्पित माता मंगला को देश प्रदेश से जन्मदिन की मिली शुभकामनाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** देशभर में सेवा भी सम्मान भी के संकल्प के साथ मनाया गया हंस फाउंडेशन की प्रेरणास्रोत माता मंगला जी का जन्मदिन,चारों धामों में की गई पूजा-अर्चनाउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,सीएम धामी सहित कई प्रबुद्धजनों ने दी बधाई

उत्तराखंड सहित देशभर में स्वास्थ्य-शिक्षा,दिव्यंगता,रोजगार,पलायन और पेयजल,कृषि,समाज कल्याण,बाल विकास एवं ऊर्जा के क्षेत्रों में सेवाएं देने के साथ-साथ राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवाओं के पटल पर हर दिन नया आयाम रचने वाली हंस फाउंडेशन के प्रेरणास्रोत माताश्री मंगला जी का जन्मदिन देशभर में सेवा भी सम्मान भी के संकल्प के साथ मनाया गया।माताश्री मंगला जी के जन्मदिन के शुभअवसर पर उत्तराखंड के चारों धामों और प्रसिद्ध कालीमठ मंदिर में पूजा अर्चना कर पूज्य माताश्री मंगला जी और उनके समस्त परिवार के लिए सुख-शांति-समृद्धि की कामना की गई।

इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी,उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी,विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण,पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत,हरीश रावत,शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत सहित देश-विदेश से कई प्रबुद्धजनों ने माताश्री मंगला जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी दीर्घायु की कामना की।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने माताश्री मंगला को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि माता मंगला और भोले जी महाराज ने अपना पूरा जीवन परमार्थ के लिए लिए समर्पित किया है। उनके लिए नर सेवा ही नारायण सेवा है। उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में वे जन सेवा के लिए अनेक कार्य कर रहे हैं। माताश्री मंगला जी जन्मदिन के मौके पर उत्तराखंड एवं देश के विभिन्न भागों में सेवा के पथ पर चलते हुए गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के उत्थान के लिए सेवा के कार्य,भंडारा एवं कंबल और वस्त्रों का वितरण किया गया। इसी के साथ उत्तराखंड में विभिन्न क्षेत्रों में स्थित अनाथालयों और खानाबदोश जीवन यापन कर रहे बच्चों के साथ मिलकर केट काट उन्हें शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई।इस मौके पर लोक गायक गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी,जागर सम्राट पद्मश्री प्रीतम भरतवाण,लोक गायिका मीना राणा,प्रधानमंत्री कार्यलय में उप सचिव मंगेश घिल्डियाल,बद्रीनाथ धाम के धर्माधिकारी भुवनचंद्र उनियाल सहित देशभर से कई प्रबुद्धजनों ने माता मंगला जी को जन्मदिवस की बधाई दी।

# गरीबों को समर्पित है माता मंगला का जीवन : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हंस फाउण्डेशन की प्रमुख माता मंगला को उनके आवास पर जाकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी तथा उनकी दीर्घायु की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता मंगला जी का जीवन गरीबों की निस्वार्थ सेवा में समर्पित है। माता मंगला जी व भोले जी महाराज समाज सेवा की भारतीय संस्कृति की महान परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश में उनके द्वारा जन सेवा के लिए अनेक कार्य किये जा रहे हैं।

# हरिद्वार में पुलिसकर्मियों पर फायरिंग के खुलासे के लिए 3 दिन का अल्टीमेटम : डीजीपी उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** अक्टूबर ,पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार प्रदेश में बीते दिनों अलग-अलग इलाकों में सामने आई आपराधिक घटनाओं पर बेहद सख्त रवैया अपनाते हुए बड़ी कार्यवाही का इशारा दिया है। डीजीपी अशोक कुमार ने उधमसिंहनगर के काशीपुर में खनन कारोबारी की हत्या, डोईवाला में हुई डकैती एवं जनपद हरिद्वार में पुलिसकर्मियों पर हुई फायरिंग के खुलासे हेतु 3 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है 1 उन्होंने कहा है कि 03 दिन में उक्त घटनाओं का खुलासा न होने पर संबंधित थाना प्रभारी एवं क्षेत्राधिकारी को हटाया जाएगा 1 इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि संबंधित

जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को भी उपरोक्त घटनाओं के जल्द खुलासे न होने पर अपराध नियंत्रण में नाकाम माना जाएगा।

# कामयाबी के साथ सम्पन्न हुआ सरस मेला, जमकर हुई खरीददारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** राष्ट्रीय सरस मेले के समापन के अवसर पर विधायक कैंट सविता कपूर ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा साथ ही कहा इस प्रकार के आयोजनों से पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा मिलता है साथ ही महिलाओं की आर्थिकी मजबूत होती है उन्होंने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए अन्य महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित करने को कहा ।मुख्य कार्यकारी अधिकारी यूएसआरएलएम आनंद स्वरूप ने प्रतिभाग करने वाले स्वयं सहायता समूह का आभार व्यक्त किया साथ ही कहा कि उत्तराखंड के लिए यह बहुत अच्छी बात है कि राज्य की महिलाएं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अपनी आर्थिकी मजबूत कर रही हैं तथा अन्य महिलाओं को भी रोजगार दे रही है यह सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष का द्वितीय मेला जनपद चम्पावत में लगाए जाने की घोषणा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने कहा कि यूएसआरएलएम ने महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे साथ ही महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़ते हुए उनको आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

स्थानीय एवं पारंपरिक उत्पादों को लोगों द्वारा काफी सराहा गया है तथा अन्य राज्यों से आए स्वयंसेवी संगठनों के उत्पादों को भी खूब पसंद किया गया।

उन्होंने राष्ट्रीय सरस मेले में प्रतिभाग करने वाले राज्य तथा अन्य प्रदेशों के स्वयं सहायता समूह को धन्यवाद दिया साथ ही कहा की भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी यूएसआरएलएम/ अपर सचिव, ग्राम्य विकास विभाग आनन्द स्वरुप, मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि जनपद देहरादून में 06 से 16 अक्टूबर 2022 तक आयोजित मेले में कुल आय रु0 टोटल सेल अभी तक 1 करोड़ 75 लाख के लगभग अभी तक हुई मेले में स्वयं सहायता समूह के 200 स्टॉल और प्राइवेट 48 स्टॉल लगाए गए मेले के आखिरी दिन दूनवासी खरीददारी के लिए उमड़ पड़े।

सरस मेले में ग्राहकों द्वारा समूहों के उत्पादों की भारी खरीददारी हुई।इस अवसर पर परियोजना निदेशक ग्रामीण विकास अभिकरण आर सी तिवारी एवं जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल सहित जनपद विकासखण्ड, यूएसआरएलएम, के कार्मिकों सहित सहयोगी जिसमें संजय सिह, रीयल होस्ट, किशोर रावत, मीडिया प्रबंधक, रवि कान्त पाण्डेय, कंचन नेगी उपस्थित रहीं।

# बैंकिंग सुविधाओं को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पीएम मोदी का उद्देश्य : सतपाल महाराज

## सरकार का लक्ष्य देश के कोने-कोने में डिजिटल बैंकिंग के लाभ पहुंचानाः महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**हरिद्वार,16 अक्टूबर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरिद्वार सहित देश के 75 जनपदों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 75 जनपदों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। इसी कडी में हरिद्वार के योग विहार, देवपूरा स्थित एचडीएफसी बैंक की डिजिटल बैंकिंग यूनिट को भी केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज की मौजूदगी में बैंक ग्राहकों के लिए समर्पित किया गया। इस अवसर पर वहां उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इन डिजिटल बैंकिंग इकाइयों की उपयोगिता पर दिये गये उद्बोधन को भी गंभीरता से सुना।इस मौके पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि बैंकिंग सुविधाओं को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स (Digital Banking Units -DBUs) को लांच किया। उन्होने कहा कि इस वित्त वर्ष के बजट भाषण में देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने की उपलक्ष्य में देश के 75 जिलों में 75 डीबीयू स्थापित करने की घोषणा की थी उसी क्रम में हरिद्वार में भी डिजिटल बैंकिंग यूनिट को स्थापित किया गया है। महाराज ने कहा कि डीबीयू की स्थापना करने के पीछे सरकार का लक्ष्य देश के कोने-कोने में डिजिटल बैंकिंग के लाभ जनता तक पहुंचाना है। इस योजना में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया गया है। उन्होने कहा कि सरकार के इस प्रयास में 11 सरकारी बैंक, 12 निजी बैंक और एक स्माल फाइनेंस बैंक भाग ले रहे हैं।इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, एचडीएफसी बैंक अधिकारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित 75 डिजिटल बैंकिंग इकाईयों में हरिद्वार भी शामिल**

# स्काउट एवं गाइड शिक्षा स्कूल का अनिवार्य अंग : ऋतु खंडूडी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**कोटद्वार, 16 अक्टूबर।** कोटद्वार के अंतर्गत ब्लूमिंग वेल स्कूल में 6 दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का शुभारंभ उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने स्काउट ध्वज फहराकर किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में छात्र-छात्राओं के नैतिक उत्थान व अनुशासन के लिए स्काउट गाइड का प्रशिक्षण दिया जाना अत्यंत जरूरी है।

स्कूल में आयोजित स्काउट एंड गाइड शिविर के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस बीच स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्कूल प्रबंधन द्वारा स्काउट स्कार्फ पहनाकर विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि छह दिवसीय शिविर के दौरान कक्षा 6 से 10 तक के 470 छात्र-छात्राएं स्काउट एवं गाइड का प्रशिक्षण लेंगे। इस दौरान बच्चों को प्रार्थना, स्काउट, गीत, गांठ बांधना, टेंट लगाना, एडवेंचर सहित अन्य कार्यकलाप सिखाए जायेंगे इसके साथ ही ध्वज सेल्यूट करना, मार्च पास्ट, टोलियों का विभाजन, कलर पार्टी, नियम प्रतिज्ञा, नियम प्रतिनियम आदि कार्य सिखाए जाएंगे। कैंप में अनुशासन, देश प्रेम की भावना, मिलजुलकर कार्य करना तथा हर संकट के लिए हमेशा तैयार रहने के गुर भी बताए जायेंगे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए संबोधित किया कि इस प्रशिक्षण से हम छात्र-छात्राओं को एक सच्चा व सफल नागरिक बना सकते हैं कहा कि वर्तमान में छात्र-छात्राओं के नैतिक उत्थान व अनुशासन के लिए स्काउट गाइड का प्रशिक्षण अत्यंत जरूरी हो गया है। उन्होंने स्काउट्स गाइड्स द्वारा बच्चों के चारित्रिक, नैतिक, शारीरिक विकास एवं देशभक्ति की भावना भरने वाले उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।स्काउट एवं गाइड शिक्षा को स्कूल का अनिवार्य अंग बताया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए उन्हें अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दिया जाना भी जरुरी है। संस्कार और अनुशासन जीवन का अहम हिस्सा है माता -पिता और गुरु संस्कार के सृजन कर्ता है। यही तीनों मिलकर संसार के दिशा और दशा तय करते हैं।उन्होंने छात्र छात्राओं को सकारात्मक सोच के साथ कड़ी मेहनत करने को कहा।

इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक सुभाष चतुर्वेदी, निदेशक कुमुद चतुर्वेदी, प्रधानाचार्य रेखा गौड़, सुनीता कोटनाला, प्रीति कुलाश्री, संगीता सुंदरयाल ,मीनू डोबरियाल, बीना रावत, अनिल बहुगुणा, कुलदीप अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# फट पड़ा मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का गुस्सा, जानिए कहां और क्यों ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**ऋषिकेश, 16 अक्टूबर।** त्रिवेणी घाट स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने औचक निरीक्षण किया। मंत्री डा. अग्रवाल ने यहां गंदगी देख यहां कार्यरत कर्मचारी को फटकार लगाई। साथ ही मौके पर जल संस्थान की सीवर वींग के अधिशासी अभियंता को दूरभाष पर कड़े निर्देश भी दिए। मंत्री डा. अग्रवाल एसटीपी प्लांट में रात्रिकालीन सीवर का गंदा पानी गंगा नदी में डालने की शिकायत मिलने पर अचानक पहुंचे। उन्होंने एसटीपी प्लांट के आसपास बिखरे कूड़े पर नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां कार्यरत कर्मचारी की फटकार लगाई।डा. अग्रवाल ने मौके से ही जल संस्थान की सीवर विंग के अधिशासी अभियंता हरीश बंसल को दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने यहां फैले कूड़े को हटाने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा मंत्री डा. अग्रवाल ने निर्देशित करते हुए कहा कि रात्रिकाल में जेनरेटर नहीं चलाने की लगातार शिकायत मिल रही हैं, इससे सीवर का गंदा पानी गंगा नदी में गिर रहा है। इसके लिए अधिशासी अभियंता को रात्रिकाल में लाइट की व्यवस्था के लिए जेनरेटर चलाने के निर्देश दिए।डा. अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है, गंगा को अविरल बनाने के लिए सरकार स्पर्श गंगा, नमामि गंगे जैसे अनेक अभियान चला रही है, ऐसे में एसटीपी प्लांट से गंगा में सीवर का गंदा पानी किसी भी कीमत पर नहीं डाला जाएगा। डा. अग्रवाल ने कहा कि एसटीपी प्लांट पर लगा पंप 24 घंटे गतिमान रहना चाहिए।डा. अग्रवाल ने इस अवसर पर एसटीपी प्लांट में बाहर जाली नहीं लगी होने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने यहां जाली लगाने के भी निदेश दिए।

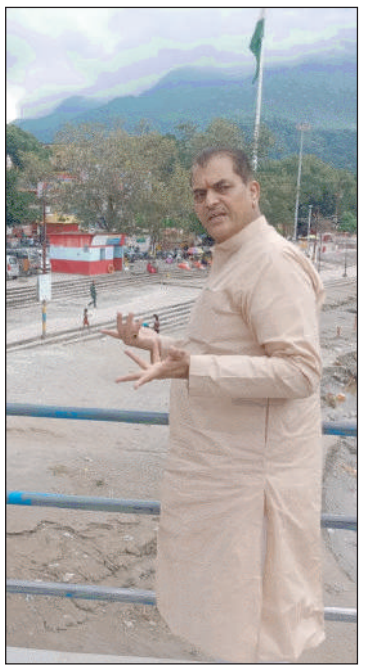

# नेपाल व भारत की लोकसंस्कृति को दर्शाता है गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव : श्री शंकर प्रसाद शर्मा

## गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव के समापन कार्यक्रम में मौजुद रहे श्री सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून, 16 अक्टूबर।** गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव 2022 आखरी शाम के कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं अनंत डांस म्यूजिक अकादमी की तरफ से गणेश वंदना कि प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि माननीय श्री शंकर प्रसाद शर्मा , नेपाल राजदूत , महिंद्रा ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून में अपने उदघोष के साथ किया, उन्होंने कहा कि तीन दिन तक चलने वाले गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव में नेपाल क्षेत्र की सदियों पुरानी संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और जनजातीय जीवन शैली की अनुपम झलक देखने को मिलती है। गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले का समापन अति विशिष्ट अतिथि श्री सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री उत्तराखंड सरकार ने अपने उद्बोधन में वीर गोर्खा कल्याण समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा की 'जिस प्रकार का प्रेम बंधन राम जी और सीता जी में हैं ठीक उसी प्रकार का सद्भावना और प्रेम के संबंध को भारत व नेपाल के बीच स्थापित करना है. उन्होंने कहा की बहुत जल्द हम लोग भगवान श्री राम की बारात लेकर जनकपुरी जायेंगे, आगे उन्होंने बतया की ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए जिस से की संस्कृति और परम्परा को बढ़ावा मिलता है।

**रंगा रंग कार्यक्रम और दिवाली की बंपर खरीदारी के साथ हुआ गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव का समापन**

इस कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री उत्तराखंड सरकार, श्रीमती सविता कपूर विधयाक कैंट, मेजर जनरल संजीव खत्री जीओसी सब एरिया उत्तराखंड मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रुप में श्री संतोष कुमार गुप्ता , चतवचमतपजवत लवी इंटरप्राइजेज ,श्री कुणाल शमशेर मल्ला , चेयरमैन ओलम्पस स्कूल, कैप्टेन समरेश सिंह , मैनेजिंग डायरेक्टर ट्रस्ट टोयोटा , श्री राजेंद्र गिरी, अध्यक्ष भेरी यातायात प्राइवेट लिमिटेड नेपाल

**गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव 2022 में गोरखा अचीवर पुरस्कार से लोगों को सम्मानित किया**

,श्री जयदीप दत्ता , चार्टेड अकाउंटेंट , डॉ लता थापा ,ठाडे आयुर्वेद, श्रीमती निर्मला खत्री, अध्यापिक , श्री रोबिन थापा, समाज सेवक , श्री हरी अवतार छेत्री ,समाज सेवक , श्री रंजीत धामी ,समाज सेवक. , एवं श्री मामचंद वर्मा , वार्ड पार्सद मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन वीर गोर्खा कल्याण समिति के सचिव श्री देविन शाही ने किया

मुख्य अतिथि माननीय श्री शंकर प्रसाद शर्मा जी ने अपने उद्बोधन में वीर गोर्खा कल्याण समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दीया। उन्होंने ने कहा कि गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव में अपनी संस्कृति, विरासत, जीवन शैली तथा पूरे नेपाल में विभिन्न जातियों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है. यह उत्तराखंड से लोगो को अपनी ओर आकर्षित करता हैवीर गोर्खा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने मुख्य अतिथि माननीय श्री शंकर प्रसाद शर्मा एवं अति विशिष्ट अतिथिय एवं कार्यक्रम में मौजुद सभी मेहमानों को मै धन्यवाद व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस कार्यक्रम कि शोभा बढ़ाई ।

उन्होंने बताया गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले में कला एवं संस्कृति का अनूठा संगम चल रहा है। विभिन्न जगह से आए कलाकार प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं।

गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले के आखिरी दिन गोरखा कल्याण समिति की ओर से कैप्टन पदम बहादुर मल्ल , जिन्होंने अर्जुन सम्मान सहित एसीयाई स्वर्णपदक विजेता बन भारत का परचम पूरे विश्व में फहराया था उनको गोरखा अचीवर पुरस्कार से सम्मानित किया गया साथ ही साथ एक तरफ जहां गोरखा वृद्धा सम्मान के अंतर्गत इंद्रा बहादुर राय और कलावती राय को सम्मानित किया गया तो वही दूसरे तरफ गोरखा दिव्यांग सम्मान के अंतर्गत विक्की थापा और नवीन कुमार को सम्मानित किया गया।

समिति के सांस्कृतिक सचिव देवकला दीवान ने बताया कि गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले के समापन के दिन वाटिका कला केंद्र के द्वारा कुमाऊँनी एवं अनुष्का थापा और मानसी ने नेपाली परंपरागत कौड़ा डांस की प्रस्तुति दी गई साथ ही साथ तिबिटियन डांस,कौड़ा डांस , कुमाऊनी, संस्कृति के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए वहीं इंडियन आइडल के प्रतिभागी और हिन्दी व बॉलीवुड गानों के प्रसिद जाने माने लोकगायक कलाकार सौरभ वाल्मीकि ने शायद कभी ये कह सकूँ मैं तुमको गाने की प्रस्तुति से लोगों का दिल जीत लिया। एवं अन्य स्थानीय कलाकारों द्वारा सुन्दर-सुन्दर प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर हिन्दी गानों पर उत्तराखंड की प्रसिद जानी मानी लोकगायीका कलाकार सोनाली राई ने अपना नया म्यूजिक एल्बम फरिया चोली दर्शको के सामने प्रस्तुत की कार्यक्रम के दौरान वीर गोर्खाकल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला तमांग , उपाध्यक्ष श्री सूर्य विक्रम शाही, मनोज तमांग, महासचिव श्री विशाल थापा, कोषाध्यक्ष श्री टेकू थापा, सचिव श्री देविन शाही, सचिव श्रीमती आशु थापा,सांस्कृतिक सचिव श्रीमती देव कला दीवान, सांस्कृतिक सह सचिव श्रीमती झगु राना, संरक्षक मेजर बि पी थापा, संरक्षक सुश्री सारिका प्रधान, सलाहकार कर्नल फुल माया गुरुंग, कर्नल एलबी खत्री वही समिति सदस्यों में बुदेश राई, दिल कुमारी शाही ,करमिता थापा,सूबेदार मीन प्रसाद गुरुंग, सोनू गुरुंग, लोकेश बन एवं सूजन शाही मौजूद रहे।

# नेपाल के राजदूत और सतपाल महाराज के बीच टूरिज्म पर हुई वार्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** नेपाल के राजदूत और वरिष्ठ अर्थशास्त्री डा.शंकर प्रसाद शर्मा ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।नेपाल के राजदूत और वरिष्ठ अर्थशास्त्री डा.शंकर प्रसाद शर्मा ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज से उनके मुनिस्पिल रोड़ स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट कर पर्यटन एवं तीर्थाटन से जुडे अनेक विषयों पर चर्चा की।

कैबिने मंत्री महाराज ने बताया कि वरिष्ठ अर्थशास्त्री डा.शंकर प्रसाद शर्मा इससे पहले अमेरिका में नेपाल के राजदूत भी रहे हैं। वह सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ साउथईस्ट एशियन स्टडीज में बतौर वरिष्ठ अर्थशास्त्री भी रहे हैं।इस अवसर पर नेपाल के राजदूत और वरिष्ठ अर्थशास्त्री डा.शंकर प्रसाद शर्मा की पत्नी और पूर्व कैबिनेट मंत्री अमृता रावत भी मौजूद थी।

# संपादकीय

## सबसे खतरनाक पाकिस्तान

अमरीकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन ने पाकिस्तान को सबसे खतरनाक देशों में एक करार दिया है। उनसे पहले के राष्ट्रपति भी आशंकाएं जताते रहे हैं कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार जेहादी हाथों में जा सकते हैं। जाहिर है कि वे उनका दुरुपयोग कर दुनिया में एक नया खौफ और संकट पैदा कर सकते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन का मानना है कि पाकिस्तान में बिखराव और अस्थिरता के हालात हैं। परमाणु हथियारों पर कोई निगरानी नहीं है और न ही बंदिशें हैं। अमरीका की रक्षा गुप्तचर एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान के पास फिलहाल 165 परमाणु वॉर हेड हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का आकलन है कि अगले तीन साल में पाकिस्तान 35 नए परमाणु हथियार बना सकता है और 2030 तक उसके पास 350 परमाणु हथियार हो सकते हैं। पाकिस्तान में परमाणु हथियारों का जखीरा दुनिया के लिए विनाशक खतरा है। अमरीकी राष्ट्रपति का सत्यापन खोखला नहीं है, बल्कि खुफिया सूचनाओं पर आधारित है। उन्होंने अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी की कांग्रेस अभियान समिति के सार्वजनिक मंच से पाकिस्तान को सबसे खतरनाक देशों में शुमार किया। दरअसल बाइडेन रूस, चीन, उत्तरी कोरिया सरीखे देशों के साथ अमरीका के समीकरणों और विश्व की भू-राजनीतिक स्थितियों के खुलासे कर रहे थे। तभी उन्होंने पाकिस्तान पर यह टिप्पणी की, लेकिन भारत का नाम तक नहीं लिया। गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका ने एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव के लिए पाकिस्तान को 450 मिलियन डॉलर (करीब 3600 करोड़ रुपए) की मदद देने की घोषणा की थी। सवाल यह है कि यदि पाकिस्तान खतरनाक देश है, जिसकी खुफिया लीड्स अमरीकी राष्ट्रपति को मिलती रही होंगी, तो यह आर्थिक मदद, भारत को बताए बिना ही, पाकिस्तान को क्यों दी गई? एफ-16 विमान अमरीका के हैं और उसने पाकिस्तान को बेचे थे। क्या अमरीका के लिए विमान और हथियारों की बिक्री ही सब कुछ है? तो फिर सबसे खतरनाक वाली टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। यह अमरीका का दोगलापन भी लगता है। बहरहाल तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई न करने पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने, पाकिस्तान को, 200 करोड़ डॉलर की मदद तुरंत रोक दी थी। बेशक राष्ट्रपति बाइडेन ने पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब किया है। उसे आतंकी संगठनों का पनाहगाह देश माना है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं और सिखों की हत्याएं की जा रही हैं। सुन्नी-शिया मुसलमान आपस में मार-काट कर रहे हैं। सरकार और सेना में कोई समन्वय नहीं है। सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई का आतंकी संगठनों को समर्थन है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इतनी जर्जर है कि उसके नेता कटोरा लिए दुनिया भर में घूमते रहते हैं। देश अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कजर्.पर चल रहा है, लिहाजा ऐसे देश में कभी भी अराजक हालात पैदा हो सकते हैं। अमरीकी सीनेटर जॉन मैक्केन ने भी रपट दी थी कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग सकते हैं। अमरीका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा था कि परमाणु हथियारों पर तालिबान कब्जा कर सकता है। अब तो पड़ोसी देश अफगानिस्तान में तालिबान की ही हुकूमत है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी ऐसी ही आशंकाएं जताई थीं। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान में बाढ़ का प्रलय-सा संकट अब भी है।

# यूपी में कार हादसे में चार की मौत, हादसे से पहले एफबी पर लाइव थे मालिक

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

एक बीएमडब्ल्यू कार जिसमें से वे यात्रा कर रहे थे, एक कंटेनर ट्रक से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कार कथित तौर पर 230 किमी प्रति घंटे की बेहद तेज गति से आगे बढ़ रही थी। दुर्घटना से कुछ मिनट पहले, कार में बैठे एक व्यक्ति ने स्पीडोमीटर पर केंद्रित कैमरे के साथ फेसबुक पर लाइव किया, जहां प्रति घंटे 230 किमी तक की गति देखी जा सकती है। एक युवक को कैमरे में यह कहते हुए भी सुना गया कि ₹चारो मरेंगे₹।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईडा) के अधिकारी जल्द ही मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी रवीश कुमार और पुलिस अधीक्षक पी सोमेन बर्मा भी मौके पर पहुंचे और उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को उचित कार्रवाई करने को कहा. डीएम ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार के डेहरी निवासी आनंद प्रकाश (35), अखिलेश सिंह (35) और दीपक कुमार (37) के रूप में हुई है. मारे गए चौथे व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है और उसकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।दुर्घटना को कार की तेज गति और चालक की लापरवाही को आसानी से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है

# बड़ी खबर! ट्रेनों में बदल गया है रात का सफर नियम, जानिए भारतीय रेलवे का नया नियम

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

भारतीय रेलवे द्वारा समय-समय पर ट्रेनों में यात्रा करने के नियमों में बदलाव किया जाता है। रेलवे द्वारा बदले जा रहे नियमों की पूरी जानकारी होना जरूरी है। इस बार रेलवे ने रात में सोने में यात्रियों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए कुछ नियम बनाए हैं. इसके बाद रात में यात्रियों की नींद नहीं टूटेगी।

**नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू**

नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है. नए नियमों के मुताबिक अब आपके आस-पास कोई भी रेल यात्री मोबाइल पर तेज आवाज में बात नहीं कर पाएगा या तेज आवाज में गाने नहीं सुन पाएगा. यात्रियों की शिकायत मिलने पर रेलवे ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

**ट्रेन के कर्मचारी होंगे जिम्मेदार**

नए नियमों के तहत यह भी प्रावधान है कि अगर ट्रेन में यात्री से प्राप्त शिकायत का समाधान नहीं होता है तो ट्रेन के कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जा सकती है. रेल मंत्रालय की ओर से सभी जोन को इन नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश दिया गया है.

**यात्रियों से मिली थी ये शिकायतें**

रेल मंत्रालय के मुताबिक, अक्सर यात्री बगल की सीट पर मौजूद यात्री के मोबाइल पर तेज आवाज में बात करने या म्यूजिक सुनने की शिकायत करते थे। इसके अलावा ऐसी भी शिकायतें थीं कि रात में कोई समूह जोर-जोर से बात कर रहा है। ऐसे मामले तब भी सामने आए जब रेलवे का स्कॉट या मेंटेनेंस स्टाफ गश्त के दौरान तेज-तर्रार बात करता है। इससे यात्रियों की नींद में खलल पड़ता है। रात में लाइट जलाने को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था।

अब ये हैं रात के 10 बजे के नियम -कोई भी यात्री मोबाइल पर तेज आवाज में बात नहीं करेगा या तेज संगीत नहीं सुनेगा। -रात में, रात की रोशनी को छोड़कर सभी लाइटें बंद करनी पड़ती हैं, ताकि सह-यात्री की नींद में खलल न पड़े। -ग्रुप में चलने वाले यात्री ट्रेन में देर रात तक बात नहीं कर पाएंगे। सह-यात्री की शिकायत पर कार्रवाई की जा सकती है। -चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ, इलेक्ट्रीशियन, कैटरिंग स्टाफ और मेंटेनेंस स्टाफ रात में शांतिपूर्वक काम करेंगे। -रेलवे कर्मचारी 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों, निःशक्तजनों और अविवाहित महिलाओं को तत्काल सहायता प्रदान करेंगे।

# विरासत में गोवा जनजाति के कुनबी और ओवियो लोक नृत्य की रही धूम

## वायलन और वीणा की जुगलबंदी ने किया विरासत के लोगों को मंत्रमुग्ध

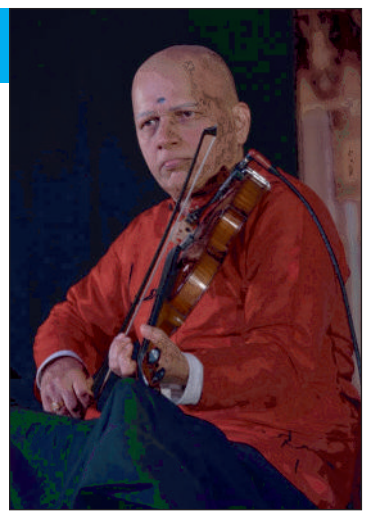

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

**देहरादून, 16 अक्टूबर।** विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के आठवें दिन की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम के अंतर्गत गोवा जनजाति के कुनबी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया जो 'कला साम्राज्य, करचोरम, गोवा द्वारा प्रस्तुत किय गया। उसके बाद उन्होंने अपनी दूसरी प्रस्तुति अपने लोकगीत 'ओवियो' से की जो की शादियों में गया जाने वाला प्रचलित लोकगीत है। उसके बाद उन्होंने विरासत के माहोल को मद्देनजर रखते हुए ढालों पारंपरिक प्रमाणिक लोकगीत में एक प्रस्तुति दी जिसमे उनके वेस्टर्न संस्कृति का संगम देखने को मिला।

कुनबी समुदाय ने कुनबी लोक नृत्य को अपना नाम दिया है। यह जनजाति गोवा के साल्सेते तालुका क्षेत्र में पाई जा सकती है। नृत्य सरल होने के साथ-साथ अद्वितीय भी है। यह विभिन्न उत्सव और सामाजिक अवसरों पर किया जाता है। महिलाएं समूह में नृत्य करती हैं और इस नृत्य को करते हुए तेजी से आगे बढ़ती हैं लेकिन वे बहुत ही शालीनता से चलती भी हैं। चरणों की अच्छी तरह से गणना की जाती है और समन्वय प्रभावशाली होता है। चूंकि नृत्य में कोई धार्मिक गीत या गतिविधियाँ शामिल नहीं हैं, इसलिए यह सुरक्षित रूप से माना जा सकता है कि यह केवल मनोरंजन के उद्देश्य से है और केवल महिलाएं ही इस नृत्य में भाग लेती हैं जबकि पुरुष पृष्ठभूमि में वाद्य यंत्र बजाते हैं।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम कि अगली प्रस्तुतियों में कुमारेश राजगोपालन एवं जयंती कुमारेश ने वायलन और वीणा पर जुगलबंदी प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने कुमारेश राजगोपालन (वायलिन) जयंती कुमारेश (वीणा) उनकी संगत में जया चंद्र राव मृदंगम एवं प्रमात किरण तबला पर थे। उन्होंने कर्नाटक शास्त्रीय संगीत में प्रस्तुति दी। उनकी टीम का नाम 'स्ट्रिंग अटैच्ड' हैं। आज कि प्रस्तुतियों में उन्होंने कर्नाटक राग के सभी पारंपरिक राग एवं उसका मिश्रित संस्करण मे एक अनोखी जुगलबंदी प्रस्तुत किया।

कुमारेश राजगोपालन को उनके बड़े भाई, गणेश राजगोपालन के साथ सहयोगी संगीत के लिए भारतीय शास्त्रीय संगीत में जानामान नाम है। उनके पिता, श्री टी.एस. द्वारा प्रशिक्षित राजगोपालन, एक अनुभवी वायलिन वादक है गणेश और कुमारेश ने अपना पहला मंच प्रदर्शन तब दिया जब कुमारेश सिर्फ 5 वर्ष के थे। जब वह 10 वर्ष के थे, तब तक कुमारेश ने अपने बड़े भाई के साथ अपनी सौवीं स्टेज की उपस्थिति पूरी की। कुमारेश ने विश्व प्रसिद्ध वीणा (ल्यूट) वादक जयंती कुमारेश से शादी की है और दोनों ने मिलकर भारत के दो सबसे प्राचीन वाद्य यंत्रों पर अपनी कलात्मकता प्रस्तुत की है, जिससे संगीत की अवधारणा का एक नया स्तर तैयार हुआ है। उन्हें कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन) के लिए 2018 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शास्त्रीय कर्नाटक संगीत की व्याख्या में वायलिन एक भारी मधुर स्वर और रंग प्राप्त करता है और इन्हें उनके द्वारा उल्लेखनीय कौशल और कलात्मकता के साथ प्रस्तुत किया जाता है। कुमारेश अपने भाई गणेश के साथ प्रदर्शन करने के अलावा, फिल्मों और नृत्य प्रस्तुतियों के लिए संगीत भी देते हैं। उन्होंने 'डांस लाइक ए मैन' और 'चंद्रिकाई' फिल्मों के लिए संगीत बजाया। उनका अपना संगीत रूप राग प्रवाहम्-भारतीय रागम और थालम की पेचीदगियों को सामने लाता है। उन्होंने भारत, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम, स्विजरलैंड, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया, मालदीव और ऑस्ट्रेलिया सहित देशों और क्षेत्रों में कई वैश्विक समारोहों में प्रदर्शन किया है।

जयंती कुमारेश एक भारतीय वीणा संगीतकार हैं। जयंती संगीतकारों के वंश से आती है जो छह पीढ़ियों से कर्नाटक संगीत का अभ्यास कर रहे हैं और 3 साल की उम्र में सरस्वती वीणा बजाना शुरू कर दिया था, उनकी माँ, लालगुडी राजलक्ष्मी, उनकी पहली शिक्षिका थीं और बाद में उन्होंने अपनी मौसी, पद्मावती अनंतगोपालन से गहन प्रशिक्षण लिया। उन्हें एस. बालचंदर ने भी पढ़ाया और उनके साथ परफॉर्म भी किया। उनकी शादी वायलिन वादक गणेश-कुमारेश के छोटे कुमारेश राजगोपालन से हुई है। वह वायलिन वादक लालगुडी जयरामन की भतीजी हैं।

जयंती को विभिन्न त्योहारों और संगीत अकादमियों द्वारा कई बार सम्मानित किया गया है जिसमें, वीणा धनम्मल स्मृति पुरस्कार, कल्कि मेमोरियल अवार्ड, संस्कृति विभाग से फैलोशि, ऑल इंडिया रेडियो से ए-टॉप ग्रेडिंग तमिलनाडु सरकार की ओर से कलैमामणि का राज्य पुरस्कार, कला संगम, मुंबई से कला रत्न, मिलापफेस्ट, लंदन से विश्व कला रत्न भवन का संगीत शिखर सम्मान, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली एवं अन्य पुरस्कार शामिल है।

09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं। इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विज़ीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है। फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है।

रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है। उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था। विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है।

# अखिल भारतीय संस्कृत नृत्य एवं गान प्रतियोगिता–2022 का परिणाम घोषित

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

**देहरादून , 16 अक्टूबर।** डॉ. वाचस्पति मैठाणी स्मृति मंच द्वारा आयोजित अखिल भारतीय ऑनलाइन संस्कृत नृत्य एवं संस्कृत गान प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हो गया है। संरक्षक मंडल के सदस्य एवं प्रतियोगिता के संयोजक कैलाशपति मैठाणी ने बताया कि इस वर्ष शिक्षाविद् डॉ मैठाणी की जयंती पर संस्कृत के प्रचार–प्रसार, संस्कृति की रक्षा एवं छात्र छात्राओं के प्रतिभा विकास हेतु आयोजित संस्कृत नृत्य एवं संस्कृत गान प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

संस्कृत के मूर्धन्य विद्वानो द्वारा तैयार किए गए परिणाम के आधार पर नृत्य प्रतियोगिता में 3–8 आयु वर्ग में अग्रिमा नौटियाल प्रथम भव्या नन्दा द्वितीय आंचल तृतीय, 8–13 आयु वर्ग में तनिष्का मैठाणी प्रथम साक्षी व उन्नति द्वितीय अनन्या तृतीय, 13–18 आयु वर्ग में भावना कार्की प्रथम खुशी द्वितीय रिया नगरकोटी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार संस्कृत गान प्रतियोगिता में 9–14 आयु वर्ग में अक्षत गौड़ प्रथम ईशिका द्वितीय तरुण प्रसाद व आरती तृतीय, 14–25 आयु वर्ग में आदित्य तिवाड़ी प्रथम मीनाक्षी आर्य द्वितीय यशोदा घुघतियाल तृतीय, 25–60 आयु वर्ग में अंजू श्रीवास्तव प्रथम विजय प्रकाश डबराल द्वितीय ह्रषिदेव आर्य तृतीय एवं 18+ वरिष्ठ नागरिक वर्ग में राजेंद्र सिंह राणा प्रथम कुंवर सिंह राणा द्वितीय अशोक कुमारी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

**प्रतिभागियों में दिखा खासा उत्साह**

मैठाणी ने बताया कि प्रतियोगिता में देश के विभिन्न भागों से संस्कृत प्रेमियों द्वारा विडियो भेजी गई। पहले दिन से ही संस्कृत प्रेमियों द्वारा इसमें बढ़ चढ़कर भाग लिया गया। करीब सवा लाख संस्कृत प्रेमियों ने इसमें सकारात्मक सोच के साथ रुचि दिखाई। जिसके अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, संस्कृत संस्थानों के साथ साथ संग्रहालयों, संस्थान के कर्मियों, गृहणियों, वरिष्ठ नागरिकों से भी प्रविष्टियां प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि दोनों प्रतियोगिताओं में प्रत्येक वर्ग के अनुसार प्रथम से लेकर दसवें स्थान तक प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार के रूप में प्रमाणपत्र प्रदान किए जा रहे हैं साथ ही अन्य सभी को प्रतिभाग प्रमाणपत्र प्रदान किए जायेंगे।

अग्रिमा नौटियाल


तनिष्का मैठाणी


भावना कार्की


अक्षत गौड़

आदित्य तिवाड़ी


मंजू श्रीवास्तव


राजेन्द्र सिंह राणा

दैनिक न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक : मौ. सलीम सैफी

कार्यकारी सम्पादक आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com

RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा